Measurement of Attitude.
(मनोवृत्ति की माप)

समाज मनोवैज्ञानिकों ने मनोवृत्ति मापने के लिए विभिन्न तरह की विधियों का प्रतिपादन किया है। मनोवृत्ति मापन से तात्पर्य व्यक्ति में मनोवृत्ति की दिशा एवं उसकी मात्रा या तीव्रता का पता लगाने से होता है। मनोवृत्ति की दिशा से उसके धनात्मक या ऋणात्मक तथा उसकी मात्रा से मनोवृत्ति की तीव्रता का पता चलता है।

Campbell (1950) ने मनोवृत्ति मापने की विधियों को निम्नांकित चार भागों में बाँटा है—

मनोवृत्ति मापन की विधियाँ—

- Non-disguised Method
  - Structured Method
  - Non-Structured Method
- Disguised Method
  - Structured Method
  - Non-Structured Method

- इन विधियों से मनोवृत्ति की माप सीधे या अप्रच्छन्न रूप से होती है। इसमें व्यक्ति को यह पता होता है, कि उसकी मनोवृत्ति मापी जा रही है।

- इन विधियों से मनोवृत्ति की माप परोक्ष अर्थात् प्रच्छन्न रूप से होती है। इसमें व्यक्ति को अपनी मनोवृत्ति मापी जा रही है का पता नहीं होता है।

Scanned with CamScanner

इन चार विधियों में से अप्रच्छन्न संरचित विधि (Non-disguised structured Method) जैसे मनोवृत्ति मापनी- जैसे- थर्स्टन मापनी, लिकर्ट मापनी तथा गटमैन मापनी- विधि की उपयोगिता मनोवृत्ति मापने में अन्य विधियों की अपेक्षा अधिक है।

→ अप्रच्छन्न संरचित विधि — इस विधि में मनोवृत्ति मापने के लिए मनोवृत्ति-वस्तु से संबंधित कुछ प्रश्न दिये जाते हैं, जिसे व्यक्ति पढ़कर स्वयं ही उसका उत्तर देता है। इस तरह की प्रश्नावली को मनोवृत्ति मापनी प्रश्नावली कहा जाता है। जिसके उत्तरों के आधार पर व्यक्ति के मनोवृत्ति का पता लगाया जाता है। इनमें प्रमुख मापनी विधियाँ- जिनकी उपयोगिता एवं लोकप्रियता अधिक है, निम्नांकित हैं—

(i) थर्स्टन मापनी विधि (Thurstone's Scaling Method)
(ii) लिकर्ट मापनी विधि (Likert's scaling Method)
(iii) गटमैन संचयी मापनी विधि
(Guttman Cumulative Scaling Method)

Thurstone's Scaling Method

L.L. Thurstone's ने अपने लेख पत्र जिसका शीर्षक था "मनोवृत्ति मापि जा सकती है" सन् 1928 में प्रकाशित किया। उसमें उन्होंने जिस मापनी विधि का वर्णन किया उसे थर्स्टन मापनी विधि कहा जाता। सामाजिक मनोवृत्ति को मापने के लिए थर्स्टन ने कई मापनी प्रविधियों का प्रयोग किया जिसमें समदृष्टि अंतराल विधि सबसे अधिक लोकप्रिय है। समदृष्टि अंतराल विधि के सहारे 1929 में थर्स्टन एवं चेव ने गिरजाघर के प्रति मनोवृत्ति मापने के लिए एक मापनी को तैयार किया। ~~जिसका~~

थर्स्टन एवं चेव ने मनोवृत्ति मापनी के निर्माण के लिए निम्नांकित चरण बतलाये हैं—

NOTES → सर्वप्रथम मनोवृत्ति वस्तु से संबंधित महत्वपूर्ण कथनों को

एक सूची जिसमें अनुकूल तथा प्रतिकूल कथन दोनों ही सम्मिलित हों, स्पष्ट भाषा में तैयार की जाती है। सामान्यतः ऐसे कथनों की संख्या 100 से 200 तक हो सकती है।

→ तैयार किये गये सभी कथनों को निर्णायकों के एक समूह को इस आग्रह के साथ दे दिया जाता है कि वे दिये गये 11 श्रेणी में से किसी एक श्रेणी में कथनों को रखते हुए छाँटते जायें। इस 11 श्रेणी में एक छोर पर अनुकूलता, दूसरे पर प्रतिकूलता तथा बीच में तटस्थता की बिन्दु होती है।

A, B, C, D, E, F, G, H, I, J, K

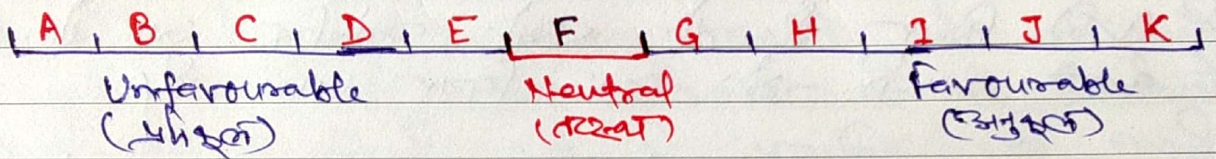

Unfavourable (प्रतिकूल) — Neutral (तटस्थ) — Favourable (अनुकूल)

थर्स्टन द्वारा यहाँ दो महत्वपूर्ण पूर्वकल्पनाएँ की गयी थीं —

- सभी श्रेणियाँ जिनमें कथनों को छाँटा जाता है, मनोवैज्ञानिक रूप से समान होते हैं।
- निर्णायकों की अपनी मनोवृत्ति कथनों को छाँटने की प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करती है।

→ तीसरे चरण में छाँटे गये प्रत्येक कथन का मापनी मूल्य ज्ञात किया जाता है। 11 बिन्दु मापनी पर निर्णायकों द्वारा दिये गये निर्णय या कोटि का माध्यिका ज्ञात किया जाता है जो प्रत्येक कथन का मापनी मूल्य कहलाता है।

→ इसके बाद प्रत्येक कथन के निर्णय या कोटि के आधार पर उसका चतुर्थक मान (Q) ज्ञात किया जाता है। Q का मान अधिक होने पर निर्णायकों के असहमति का पता चलता है और ऐसे कथनों को रद्द कर दिया जाता है। वहीं Q का मान कम होने पर यह पता चलता है कि लगभग सभी निर्णायकों ने अमुक कथन को एक ही श्रेणी में रखा है।

NOTES

Scanned with CamScanner

APPOINTMENTS

→ पाँचवें चरण में कथनों की आंतरिक संगति ज्ञात की जाती है। इसके लिए Q के मान के आधार पर चयनित कथनों को प्रयोज्यों के एक समूह को दे दिया जाता है और उनसे कहा जाता है कि वे उन कथनों के आगे सही (✓) का निशान लगाते जाएँ, जिनसे वे सहमत हों। यदि प्रयोज्य किसी ऐसे कथन के आगे (✓) का निशान लगा देते हैं, जिसका मापनी मूल्य सहमति प्रकट करने वाले कथन के मापनी मूल्य से काफी भिन्न होता है, तो उस कथन को आंतरिक रूप से असंगत मानकर छोड़ दिया जाता है। परंतु यदि किसी कथन विशेष से सहमति प्रकट करने पर प्रयोज्य ने समान मापनी मूल्य के कथन को सही (✓) किया है, तो उसे आंतरिक रूप से संगत मान कर मापनी में रख दिया जाता है।

→ अंत में लगभग 20 से 30 आन्तरिक रूप से संगत कथनों को चुन लिया जाता है और उसे अधिकतम से न्यूनतम सहमति के क्रम में सजा दिया जाता है।

इस प्रकार से तैयार मनोवृत्ति मापनी को जिस व्यक्ति की मनोवृत्ति मापनी होती है, उसे दे दिया जाता है और जिन कथनों से वे सहमत हों उसपर सही (✓) का निशान तथा जिससे असहमत हों उसपर क्रॉस (×) का निशान लगाने के लिए उसे कहा जाता है। सभी सहमत कथनों के मापनी मूल्य का औसत ज्ञात किया जाता है, जिसके आधार पर उस व्यक्ति के मनोवृत्ति की माप होती है। औसत मान जितनी अधिक होगी व्यक्ति की मनोवृत्ति उतनी ही अनुकूल तथा मान जितनी कम होगी मनोवृत्ति उतनी ही प्रतिकूल मानी जाती है।

समाज मनोवैज्ञानिकों ने थर्स्टन मापनी विधि के कुछ गुण एवं दोष पर भी प्रकाश डाला है जो निम्नांकित है—

गुण

NOTES

→ यह विधि सरल एवं सुगम मनोवृत्ति मापनी की विधि है।

Scanned with CamScanner

→ इससे व्यक्ति की मनोवृत्ति अध्ययन की जाने वाली वस्तु या विषय के प्रति अनुकूल है या प्रतिकूल है के दिशा का भी पता चल जाता है।
→ इस विधि में कथनों को छँटनी 11 बिंदुओं में रखकर की जाती है, जिससे बनने वाली मापनी में मनोवृत्ति मापने की क्षमता अधिक स्पष्ट होती है।

दोष

→ हैसवर्थ के अनुसार थर्स्टन की यह पूर्वकल्पना की निर्णायकों द्वारा सभी 11 श्रेणियों को मनोवैज्ञानिक रूप से समान समझा जाता है, सही नहीं है, क्योंकि निर्णायक सभी श्रेणियों को समान समझकर कथनों को नहीं छाँटते हैं।
→ थर्स्टन विधि की दूसरी पूर्वकल्पना कि निर्णायकों की अपनी मनोवृत्ति छँटनी कार्य को प्रभावित नहीं करती हैं, समाज मनोवैज्ञानिकों ने अपने अध्ययनों में इसे गलत पाया।
→ कुछ मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि थर्स्टन ने अपनी मापनी विधि में अत्यधिक भेद-भाव करने वाले कथनों को चुनने का कोई वैज्ञानिक तरीका नहीं बतलाया है।
→ कुछ समाज मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि थर्स्टन विधि द्वारा मनोवृत्ति मापनी बनाने में काफी समय तथा धन खर्च होता है।

इन दोषों के बाद भी थर्स्टन मनोवृत्ति मापनी समाज मनोवैज्ञानिकों के बीच एक लोकप्रिय मापनी है तथा इसका उपयोग भी काफी किया जाता है।

Scanned with CamScanner